समाचार

एमडब्ल्यूसी साझा विश्वास के माध्यम से वैश्विक ऐनाबैपटिस्ट विश्वास की शिक्षा

फोटोः ऐनुएल पीस सेन्टर सेमीनार में, जापान मेनोनाइट क्रिश्चयन चर्च के सदस्य ''वर्ल्ड कैफे'' चर्चा विधि का प्रयोग कर एमडब्ल्यूसी साझा विश्वास पर मनन करते हुए।

विज्ञप्ति जारी करने की तारीखः सोमवार, 10 सितम्बर 2019

वैश्विक मसीही विश्वास और ऐनाबैपटिस्ट विश्वास (एमडब्ल्यूसी सांख्यिकी सहित) पर आयोजित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के द्वारा जापान मेनोनाइट क्रिश्चयन चर्च कॉंफ्रेंस के प्रतिभागियों ने अपने आप को वैश्विक ऐनाबैपटिस्ट साझा विश्वास पर एक चर्चा के लिए तैयार किया।

15 और 16 जुलाई 2018 को जापान के सप्पोरो में फुकुजुमी मेनोनाइट सेन्टर में आयोजित सेमीनार के लिए, जापान मेनोनाइट चर्च के समूह ने वैश्विक ऐनाबैपटिस्ट सन्दर्भ में विश्वास और व्यवहार पर मनन करने के लिए मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस के साझा विश्वास का उपयोग किया।

यद्यपि होक्काइडो महाद्वीप स्थित इस मेनोनाइट कॉंफ्रेंस का एक अपना विश्वास का अंगीकार है, उन्होंने अपने दस्तावेज में लिखा है, ''हम अपने मेनोनाइट भाई बहनों के साथ मिलकर 'साझा विश्वास' का अंगीकार करते हैं, और उस विश्वास को व्यक्त करते हैं जो वर्तमान संसार में शिष्यता के पथ में चलने वाले ऐनाबैपटिस्ट/मेनोनाइट लोगों को एकसूत्र में बांधता है।''

जापान के लिए एमडब्ल्यूसी जनरल कॉंसिल सदस्य अत्सुहिरो कटानो कहते हैं, ''यह जानकर हम अत्यंत उत्साहित हुए कि हमारे मेनोनाइट *कोइनोनिया* में मनन, अध्ययन, और शिक्षा के लिए साझा विश्वास एक सशक्त साधन है।''

आयोजन प्रभारी कटानों ने ''वर्ल्ड कैफे'' नामक एक कार्यशाला विधि का उपयोग करते हुए कार्यक्रम की योजना तैयार की। कक्ष में सात टेबल रखे गए और हर एक टेबल में साझा विश्वास का एक एक कथन लिख कर रखा गया, प्रतिभागियों ने हर टेबल पर जा कर मुआयना किया। उन्होंने प्रत्येक कथन पर मनन किया और प्रश्न उठाए, और फिर टेबल में रखे गए एक बड़े शीट पर उससे सम्बन्धित अपने अपने विचारों को लिखा।

इस कार्यशाला में 15–15 मिनट के सात चक्र थे, ताकि प्रत्येक प्रतिभागी प्रत्येक टेबल पर जा सके। वर्ल्ड कैफे के बाद, प्रतिभागियों ने छोटे छोटे समूह में विभाजित हो कर अपने अपने विचारों को एक दूसरे के साथ साझा किया।

23 प्रतिभागियों में से अधिकांश इस बात से सहमत थे कि साझा विश्वास में उनकी प्रिय ऐनाबैपटिस्ट परम्परा की विशेषताओं

ऐनुएल पीस सेन्टर सेमीनार में, जापान मेनोनाइट क्रिश्चयन चर्च के सदस्य ''वर्ल्ड कैफे'' चर्चा विधि का प्रयोग कर एमडब्ल्यूसी साझा विश्वास पर मनन करते हुए। फोटो: साभार अत्सुहिरो कटानो।

को व्यक्त किया गया है, जैसे मसीह केन्द्रित शिष्यता और कलीसिया के सामाजिक कार्यों पर जोर।

कुछ प्रतिभागियों को हैरानी हुई जब मानव की पतित अवस्था/पापमयता और बुराई की शक्तियों का विरोध जैसी धारणाओं का वर्णन परमेश्वर के प्रेम के स्पष्ट उल्लेख के बिना किया गया।

अन्य लोगों ने अनुवाद के लिए उपयोग में लाई गई शब्दावलियों, लचीले धर्मसिद्धान्तों, और गैरमसीहियों के दृष्टिकोण से इसकी भाषा पर प्रश्न उठाए। इससे यह प्रगट होता है कि विश्वास के एक कथन को लेकर अपनी अपनी अपेक्षाओं में प्रतिभागियों में कितनी विविधता थी।

सेमीनार के समापन पर सभी प्रतिभागी एक घेरे में बैठे और एक रायक्यू टेमारी (ओकिनावा का एक पारम्परिक हैण्डबॉल) को टॉकिंग पीस की तरह एक दूसरे को पास करते हुए अपने अपने विचारों को व्यक्त करते गए। कुछ प्रतिभागियों ने बताया कि कार्यशाला की शैली ने यह सिद्ध कर दिया कि एक ऐसा सुरक्षित मंच तैयार करना सम्भव है जो न सिर्फ विभिन्न मतों का सम्मान करता है बल्कि एक खास विषय पर ध्यान भी केन्द्रित करता है।

– अत्सुहिरो कटानो के द्वारा जारी एक एमडब्ल्यूसी विज्ञप्ति। वे जापान मेनोनाइट क्रिश्चयन चर्च में एक अगुवा हैं।